राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक खबरें

जनता की समस्या,हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

# हर पल टाइम्स

RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ०८ ● अंक : १४ ● मुंबई, शुक्रवार, ०७ दिसंबर २०१८ से १३ दिसंबर २०१८ ● पृष्ठ : ४ ● मूल्य : २/- रुपये

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार,(०७४९८५३५२८६आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

## मुंबई में १८ हजार इमारतें अवैध

**मुंबई :** अवैध निर्माण के लिए उल्हासनगर मीरा-भाइंदर आदि महापालिका बदनाम हैं परंतु मुंबई जैसी महानगरपालिका में १८,२८३ इमारतें अवैध हैं। यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वीकार की है। मुंबई की अवैध इमारतों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि मुंबई में १८,२८३ इमारतें अवैध हैं। इन इमारतों को मुंबई

महानगरपालिका की तरफ से नोटिस भेजा गया है। ९३७ इमारतों के अवैध भागों को निकाल दिया गया है। ४,३४७ अवैध इमारतों को मनपा ने तोड़ डाला है। १२,९९९ अवैध इमारतों को कानूनी तरीके से तोड़ा जाएगा। मुंबई में शीशे की बन रही इमारतों में अग्निसुरक्षा उपाय योजना तैयार करने के लिए मुंबई महानगरपालिका की ओर से परिपत्रक निकाला गया है, ऐसा मुख्यमंत्री ने बताया।

## मुस्लिम आरक्षण की मांग ने भी पकड़ा जोर

**मुंबई:** मराठा आरक्षण पर सियासत तेज होने के बाद महाराष्ट्र में मुस्लिम आरक्षण भी दोबारा लागू करने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। पिछली कांग्रेस-एनसीपी सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम दौर में मराठा और मुस्लिम आरक्षण लागू कर दिया था। मराठा आरक्षण पर जब अदालत ने प्रश्नचिह्न लगाया था, तब मौजूदा बीजेपी-शिवसेना सरकार ने मुस्लिम आरक्षण भी रद्द कर दिया था। पूर्व मंत्री व विधायक नसीम खान ने सरकार से मुसलमानों के ५ प्रतिशत आरक्षण को लौटाए जाने की मांग की है, जो उनकी सरकार ने २०१४ में लागू किया था। हाई कोर्ट में उस आरक्षण को चुनौती भी दी गई थी, लेकिन हाई कोर्ट ने कहा कि वह पूरी तरह कानून के दायरे में था। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि सत्ता में आने के बाद सरकार ने मुस्लिम आरक्षण का अध्यादेश लागू नहीं होने दिया। यही वजह है कि मुसलमान हर मैदान में बहुत पीछे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह सीएम ने मराठा आरक्षण देने की बात कही है, उसी तरह वह मुसलमानों का आरक्षण लौटाने की बात क्यों नहीं कर रहे।

कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने कहा, आज मुसलमान सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक तौर पर दूसरे समाजों के मुकाबले बहुत पीछे हैं। कांग्रेस के दौर में शिक्षा और नौकरी का जो आरक्षण मुसलमानों को दिया गया था, वह अब लौटाया जाए ताकि मुसलमानों का भी विकास हो। मौलाना आजाद फाइनैंशल डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और भाजपा नेता हैदर आजम ने कहा, सरकार ने मुस्लिम समाज के लिए कई योजनाएं पेश की हैं। मुसलमानों को जरूरत है कि वह उन योजनाओं को समझ कर उनका लाभ उठाएं।

## रोज ३४ मरीजों में हो रहा है याददाश्त का लोचा

**मुंबई :** क्या आपकी स्मरण शक्ति कमजोर होती जा रही है? आपको सोचने में कठनाई आ रही है? आपका दिमाग समस्याओं को नहीं सुलझा पा रहा है? क्या उक्त समस्या के कारण आपके दैनिक कार्यों पर असर पड़ रहा है? यदि आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है तो सावधान हो जाइए आप डिमेंशिया सिंड्रोम यानी स्मृतिभ्रंश (रोग में अनेक लक्षणों का एक साथ होना) से जूझ रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्या को ध्यान में रखकर राज्य के ३० जिलों में मेमोरी क्लिनिक की शुरुआत की गई।

आपको जानकर हैरानी होगी कि महज ३० दिन में २८ जिलों की क्लिनिक में रोजाना आ रहे लोगों में से औसतन ३४ लोगों में याददाश्त का लोचा हो रहा है। डॉक्टरों द्वारा जांच में इस बात की पुष्टि हुई

है कि रोजना ३४ लोगों की मेमोरी खल्लास हो रही है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र मेंटल हेल्थ के पूर्व उपनिदेशक व थाने मेन्टल हॉस्पिटल के पूर्व सुपरिटेंडेंट डॉ. संजय कुमावत ने बताया कि 'चिंता का विषय यह है कि खासकर वृद्धों में होनेवाली स्मृतिभ्रंश की समस्या अब वयस्कों में भी हो रही है। इसके कई कारण हैं जैसे नशा शराब का सेवन, धूम्रपान, तनाव, पौष्टिक आहार की कमी व अनियमित जीवनशैली जिससे यह समस्या बढ़ापे में उत्पन्न होने के बजाय अब कम उम्र के लोगों में बढ़ रही है।

स्मृतिभ्रंश एक ऐसी बीमारी है जिससे मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन का निर्माण होने लगता है जो कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देता है, जिसे कह सकते हैं कि भेजे के प्रोटीन ने परेशान कर दिया है।

बता दें कि २ अक्टूबर २०१८ से ३० जिलों में मेमोरी क्लिनिक की शुरुआत की गई। जिसमें मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक, ठाणे, जलगाव, सातारा, सांगली, नगर, अमरावती, नांदेड, बीड, सोलापुर, सिंधुदुर्ग और लातूर का भी समावेश है।

## INS हमला के रास्ते में अतिक्रमण का खतरा!

**मुंबई :** महानगर समेत देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माने जाने नौसैनिकों के पश्चिमी कमान का इलाका आईएनएस हमला इन दिनों भूमाफियाओं की कारस्तानी से खतरे में है। आईएनएस हमला को आयुध एवं रसद पहुंचाने वाली गाड़ियों को भारी ट्रैफिक से गुजरना पड़ता है, क्योंकि भूमाफियाओं ने मढ-मार्वे की मुख्य सड़क के दोनों ओर कब्जा कर रखा है। यहां राजनीतिक दलों के जनसंपर्क कार्यालय भी हैं। अगर कोई आतंकी घटना हो जाए, तो ट्रैफिक की वजह से यहां पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।

रात में बनते हैं अवैध झोपड़े: स्थानीय लोगों ने बताया कि स्थानीय पुलिस, बीएमसी, सरकारी विभाग और स्थानीय नेताओं की सांठ-गांठ और इन्हीं की सह पर मढ-मार्वे सड़क किनारे की सरकारी जमीन पर रात के अंधेरे में भूमाफिया भरनी कर घर बनाते हैं। इसके बाद, १२ से १५ लाख रुपये में इन्हें बेच देते हैं। कमरे खरीदने के बाद यहां लोग रहते नहीं हैं, बल्कि फर्नीचर आदि के शोरूम खोलते हैं। शोरूम का आधा सामान बाहर रहता है। इससे ट्रैफिक जाम हो जाता है।

**किसकी बनती है जिम्मेदारी**

सरकारी जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर परिवर्तन फाउंडेशन ने बीएमसी के आर-दक्षिण (कांदिवली) और पी-उत्तर (मालाड) के अलावा, जिलधिकारी को पत्र लिखकर तोड़क कार्रवाई की मांग की थी। मगर, इसे उदासीनता कहें या मिलीभगत कब्जा करने वालों पर कार्रवाई करने के बजाय जमीनें हड़पने का काम बदस्तूर जारी है।

## संपादकीय...

# हम क्यों फिसले?

विकास के गैस का गुब्बारा कितना भी उड़ाया जाए पर समय आने पर वो फूटता जरूर है। महाराष्ट्र और गुजरात व्यापार-उद्योग में हमेशा प्रगतिशील माने जाते हैं। मगर औद्योगिक प्रगति में कर्नाटक ने गुजरात और महाराष्ट्र को पीछे धकेल दिया है। गुजरात में सरकार ने सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा खड़ी की है। एक दिन में प्रतिमा के दर्शन के लिए २८ हजार पर्यटक आते हैं, ऐसी जानकारी दी गई है। उसी गुजरात में निवेशकों की संख्या घटी है इसलिए गुजरात विकास का 'मॉडल' संदेह के घेरे में आ गया है। गुजरात और महाराष्ट्र जुड़वा भाई हैं इसलिए जुड़वा का दुखड़ा महाराष्ट्र को भी भोगना पड़ रहा है। गुजरात में साढ़े ४ हजार करोड़ की सरकारी राशि का इस्तेमाल कर पटेल की प्रतिमा लगाई गई। उसी तरह महाराष्ट्र में भी सरकारी साढ़े ३ हजार करोड़ रुपए खर्च कर छत्रपति शिवराय की प्रतिमा लगाई जानेवाली है। लेकिन इसका मुहूर्त नहीं निकल रहा है। प्रतिमा लगाई फिर भी आर्थिक, औद्योगिक स्तर पर दोनों राज्य पिछड़ रहे हैं और बगल का कर्नाटक उड़ान भर रहा है। देश में जो निवेश के प्रस्ताव आ रहे हैं उसमें से २५ प्रतिशत प्रस्ताव कर्नाटक में जा रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात की बजाय विदेशी निवेशकों को कर्नाटक आकर्षित कर रहा है। २०१८ के पहले ९ माह में कर्नाटक में ८३ हजार २३७ करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव आया है। गुजरात में ५९ हजार ०८९ करोड़ तो महाराष्ट्र में ४६ हजार ४२८ करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आया है। यहां भी महाराष्ट्र गुजरात के पीछे है। पिछले दो माह में कर्नाटक को एअरोस्पेस, लोहा, स्टील, फार्मास्युटिकल, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, आईटी जैसे क्षेत्रों के २३ प्रस्ताव मिले हैं। कर्नाटक में पिछले १० वर्षों से गैर भाजपाई शासन है और महाराष्ट्र-गुजरात में भाजपा के 'मेक इन इंडिया' का राज है। फिर भी इन दोनों राज्यों की औद्योगिक और आर्थिक घड़ी बिगड़ गई है। काम कम और बोलना अधिक, ऐसा ही कुछ भाजपा शासित राज्यों में दिखाई दे रहा होगा तो विकास के सिर पर यह कील ठोंकने जैसा है। दुनिया भर के राष्ट्रप्रमुखों को मोदी गुजरात लेकर जाते हैं और स्वराज्य की मार्केटिंग करते हैं। मगर जापान की बुलेट ट्रेन को छोड़ दिया जाए तो वहां नया कौन सा उद्योग आया? ऊपर से बुलेट ट्रेन का व्यवहार अंदर की बात है। किसानों की उपजाऊ जमीन निगलकर बुलेट ट्रेन आ रही है इसलिए यह नुकसानदेह है। मुंबई के कई व्यापार, मुख्यालय, डायमंड बाजार, अमदाबाद, बड़ोदा, सूरत ले जाने की सूजन वहां दिखाई दे रही है। लेकिन नोटबंदी, जीएसटी के कारण वहां का टेक्सटाइल व्यापारी खत्म हो गया। गुजरात की अर्थवाहिनी मुंबई है। मुंबई का शोषण कई तरीके से चलता रहता है। लेकिन इस लूटमारी के चलते मुंबई का औद्योगिक महत्व कम हो गया। मुंबई के बड़े उद्योग बंद हो गए। इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल्स, मिल, निर्माण उद्योग में गिरावट आ गई। औद्योगिक बस्तियां वीरान हो गई और वहां की जमीनें बेचने के लिए ही बची हैं। गडकरी, फडणवीस जैसे नेता 'इंफ्रास्ट्रक्चर' बढ़ रहा है ऐसा कहते हैं। लेकिन समृद्धि, मेट्रो मतलब औद्योगिक प्रगति नहीं। यह सब नहीं था तब भी मुंबई-महाराष्ट्र की औद्योगिक घुड़दौड़ 'जेट' की गति से हो रही थी, अब बैलगाड़ी की भी गति नहीं दिखाई देती। उद्योगपतियों तथा व्यापारियों की जेब फाड़कर चुनाव के लिए जब पैसा जमा किया जाता है तब प्रगति के पहिए दलदल में हमेशा के लिए धंस जाते हैं। गुजरात तथा महाराष्ट्र के जातीय दंगों में सरकारी संपत्ति और निजी संपत्ति की हानि हो रही है। महाराष्ट्र और गुजरात में सामाजिक सौहार्द बिगड़ चुका है। इस विवाद के चलते सामाजिक तनाव के कई मौके पिछले ४ वर्षों में देखने को मिले और उस समय दोनों राज्यों की सरकार उद्योग-व्यापार की सुरक्षा नहीं कर सकी। उद्योग और वाहन राख में तब्दील हो गए। इसलिए राज्य में जो माहौल बना वह आर्थिक और उद्योग वृद्धि के लिए मारक साबित हुआ। ऊपर से महाराष्ट्र में जल का संकट है। बिजली की कमी की समस्या है। बिजली-पानी के अभाव के कारण ही उद्योग में गिरावट आई। इन सब परिस्थितियों की चर्चा औद्योगिक बाजार में होती रहती है और इसे सुनकर ही निवेशक महाराष्ट्र की दहलीज से वापस लौट जाते हैं। 'राफेल' की जिद के चलते नासिक-ओझर का 'एच.ए.एल.' कारखाना जब बंद हो रहा था तब मुख्यमंत्री फडणवीस ने क्या किया?

## फोटोग्राफर के पास से चरस जब्त

**मुंबई:** ऐंटि नार्कोटिक्स सेल की घाटकोपर यूनिट ने लीलामणी चुन्नी नामक आरोपी के पास से १ किलो ३०० ग्राम चरस जब्त की है। डीसीपी शिवदीप लांडे ने बताया कि जब्त चरस की कीमत ६ लाख ५० हजार रुपये है। इंस्पेक्टर शेलके की जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पेशे से फोटोग्राफर है। वह हिमाचल प्रदेश से यह चरस लाया था। उसे १० दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

## रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया पुलिस अधिकारी

**मुंबई :** ऐंटि करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को ट्रैप लगाकर वाकोला पुलिस में कार्यरत सहायक पुलिस निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिस अधिकारी का नाम पांडुरंग पिठे (३८) है। पिठे पर आरोप है कि उसने एक केस में हेरफेर करने के लिए शिकायतकर्ता से २० हजार रुपये की मांग की, जिसे देने में वह असमर्थ था। शिकायतकर्ता ने इसकी जानकारी एसीबी को दे दी, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर पुलिस अधिकारी को पैसे लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच वाकोला पुलिस कर रही है।

## खुदकुशी या साजिश!

**मुंबई :** जोन ३ पुलिस के तहत ताडदेव स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन ऐंड रिहैबिलिटेशन (एम्स) में पढ़ाई करने वाले २४ वर्षीय छात्र विनय की सोमवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विनय ने संस्थान के छात्रावास की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप)ने विनय की मौत को संदिग्ध बताते हुए इसकी सही दिशा में शीघ्र जांच कराने की प्रशासन एवं AIIPMR के निदेशक से मांग की है।

## संक्षिप्त समाचार

## आग से सुरक्षा पर कार्यक्रम

**मुंबई:** महानगर और आस-पास आग की घटनाओं को देखते हुए ७ दिसंबर को २० डाउनटाउन बेंकट हॉल, इरोज थियेटर बिल्डिंग, चर्चगेट में फायर सेफ मुंबई कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में लोगों को आग से सुरक्षा की जानकारी दी जाएगी। यह कार्यक्रम मुंबई फायर डिपार्टमेंट और एआईपीसी महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। इस मौके पर चार बहादुर फायरकर्मियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंबई फायर ब्रिगेड के चीफ फायर ऑफिसर प्रभात रहांगदले होंगे। कार्यक्रम को पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा संबोधित करेंगे।

## भाईंदर में श्रीमद्भागवत कथा

**भाईंदर:** विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। इसके लिए देवकी नंदन ठाकुर बुधवार को दोपहर ३ बजे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचेंगे। आयोजन समिति से जुड़े गजेंद्र भंडारी ने बताया कि एयरपोर्ट से ठाकुर दादर के सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन करेंगे। वहां से भाईंदर के लिए प्रस्थान करेंगे। बता दें कि ठाकुर के सानिध्य में ६ से १४ दिसंबर तक भाईंदर में श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की गई है। बाला साहेब ठाकरे मैदान, इंद्रलोक फेज-३ में होने जा रही इस कथा के निमित्त कलश यात्रा का आयोजन ६ दिसंबर को दोपहर २ बजे से हनुमान मंदिर, नवघर रोड, भाईंदर (पूर्व) से कथा स्थल तक किया जाएगा।

## आखिर हो गया ट्रांसप्लांट

**मुंबई :** जेजे अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए हुए स्कैम के दो महीने बाद आखिरकार मरीज का ट्रांसप्लांट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, मरीज जमालुद्दीन खान को उनके एक करीबी रिश्तेदार ने अपनी किडनी दान की, जिसके बाद मंगलवार को एस. एल. रहेजा अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया। जे.जे. अस्पताल ऑर्गन विभाग और रहेजा अस्पताल के सोशल वर्कर के आपसी तालमेल से ट्रांसप्लांट के लिए मरीज से पैसों की मांग की गई थी, जिसकी जानकारी परिवार वालों ने एसीबी को दी थी। जमालुद्दीन के भाई जाकिर ने कहा कि ट्रांसप्लांट के बाद से मरीज की स्थिति स्थिर है।

## भिवंडी में स्कूल में स्वागत समारोह

**भिवंडी:** डॉक्टर, लेखक एवं तिब्बिया कॉलेज बुरहानपुर के असोसिएट प्रो. डॉ. मजहर अंसारी ने रईस हाई स्कूल ऐंड जूनियर कॉलेज में आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि यहां की बोलती दीवारें अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर रईस कॉलेज के प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने प्रो. मजहर अंसारी का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व उप प्रधानाचार्य अब्दुल अजीज अंसारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हसीब जामयी, जूनियर कॉलेज के सुपरवाइजर असरार पठान सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

## 'पी वॉर्ड' में विज्ञान प्रदर्शनी

**मुंबई:** मुंबई पश्चिम जोन शिक्षा विभाग की ओर से 'पी वॉर्ड' के कारमेल ऑफ सेंट जोसेफ स्कूल मालाड में ६ से ८ दिसंबर तक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। 'चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान' के अंतर्गत- कृषि एवं जैविक खेती, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, संसाधन प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, परिवहन एवं संचार तथा गणितीय प्रतिरूपण विषयों पर प्रदर्शनी आयोजित की गई है। लगभग २०० विद्यालयों के ३०० प्रॉजेक्ट प्रदर्शनी में शामिल होंगे।

# किराए पर दे दिया खेल का मैदान

**भाईंदर'** मीरा-भाइंदर में सीएम चषक स्पर्धा होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। मनपा प्रशासन सत्ताधारी भाजपा के सामने नतमस्तक होते हुए विवादित सुभाष चंद्र मैदान को खेल कार्यक्रम के लिए लगभग एक महीने के लिए किराए पर देकर आकाओं को खुश करने की कोशिश की है। मैदान में बच्चों के खेलने का आदेश तो है लेकिन मैदान को किराए पर नहीं देने का स्पष्ट निर्देश प्रशासन ने पहले ही दे रखा है। ज्ञात हो कि भाइंदर-पश्चिम के विवादित सुभाष चंद्र मैदान का निर्माण विवादित है। मैंग्रोव्ज कटिंग कर सीआरजेड की जमीन में जबरदस्ती कचरा व मिट्टी भरकर बनाए गए मैदान के कारण संबंधित मनपा अधिकारी और ठेकेदार पर पर्यावरण विभाग ने मामला दर्ज किया है। कानूनी पचड़े में पड़े इस मैदान को खेल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अलग-अलग स्कूल, कॉलेज व संस्थाओं ने कई बार किराए पर लेने की कोशिश की लेकिन मनपा प्रशासन ने हर बार उन संस्थाओं को मैदान किराए पर देने से मना कर दिया लेकिन दिसंबर महीने में आयोजित सीएम चषक स्पर्धा के लिए मनपा प्रशासन ने मैदान को लगभग एक महीने के लिए किराए पर दे दिया है। मैदान को किराए पर लेने के लिए मीरा-भाइंदर के भाजपा जिलाध्यक्ष और महापौर ने २७ नवंबर को मनपा को अर्जी देकर मैदान को किराए पर देने की मांग की थी, जिस पर मनपा प्रशासन ने २३ दिनों के लिए मैदान को किराए पर दे दिया। गौरतलब है कि इस मैदान पर शहर के हजारों लोग प्रतिदिन खेलकूद व जॉगिंग करते हैं। अब इन लोगों का एक महीने तक मैदान पर खेलना-कूदना नहीं हो पाएगा, इससे नाराज लोगों में स्पष्ट नाराजगी देखी जा रही है। इस मामले में मनपा आयुक्त बालाजी खतगावकर का कहना है कि चूंकि मैदान खेलने के लिए है इसलिए हमने ठाणे जिलाधिकारी से मीटिंग कर कार्यक्रम का आयोजन करने का परमिशन दिया है।

# फेफड़े में अटकी पिन, आना पड़ा गोवा टू मुंबई

**मुंबई :** महिलाएं अक्सर सिलाई और सजने संवारने के दौरान पिन या सुई अपने मुंह में रख लेती हैं। नतीजतन गलती से पिन भीतर चली जाती है फिर फजीहत शुरू। ऐसा ही हुआ गोवा की निवासी रुबीना शेख (बदला हुआ नाम) के साथ स्कार्फ पहनते वक्त मुंह में रखी पिन गलती से उसने निगल ली। गोवा में पिन निकालने में नाकामयाब होने के बाद उसे गोवा टू मुंबई लाया गया जहां, एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने फेफड़े में अटकी पिन को निकाला।

बता दें कि २१ नवंबर को गोवा में १८ वर्षीय रुबीना ने स्कार्फ पहनते समय मुंह में रखी पिन को गलती से निगल लिया। उसे तुरंत गोवा के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां एक्सरे में पिन उसके फेफड़े के बाए साइड अटकी दिखी। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी द्वारा पिन को निकालने की कोशिश की लेकिन वे असफल रहे। इसके बाद पीड़िता को अन्य ३ मेडिकल कॉलेज और २ अस्पताल में भी ले जाया गया, पर एंडोस्कोपी के माध्यम से फेफड़ों में फंसे पिन को हटाने में सभी डॉक्टर नाकाम रहे।

डीजीआयपीआर आरओसी - २०१८-१९ क्र-५/C४७४५

# बीएमसी अस्पतालों में इंजेक्शन भी नहीं चार सदस्यीय जांच समिति 15दिन में बताएगी कमी की वजह

**मुंबई:** इन दिनों बीएमसी के अस्पताल दवाइयों सहित इंजेक्शन की कमी से गुजर रहे हैं। उधर, दवाओं की कमी की शिकायतों के बीच बीएमसी ने ४ सदस्यीय समिति गठित की है। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी बांद्रा स्थित भाभा अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां कई कमियां पाई गईं।

कई इंजेक्शन उपलब्ध नहीं

बीएमसी अस्पतालों के मरीजों को दवाइयों के अलावा कई तरह के इंजेक्शन बाहर से खरीदने पड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मधुमेह के लिए इस्तेमाल होने वाली मेटफॉर्मिन दवा नायर अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। वहीं, दिल की बीमारी में लगने वाले इंजेक्शन एडरनलिन सहित १५ तरह के इंजेक्शन यहां नहीं हैं। नायर के अलावा, केईएम में भी दवाओं और इंजेक्शनों की भारी कमी है। प्रसूति गृह में भी कई तरह के इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। भांडुप स्थित प्रसूति गृह में हाइड्रोकॉटिजन सहित डिलिवरी के दौरान इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की कमी है। प्रसूति गृह से मिली जानकारी के अनुसार, इंजेक्शन नहीं होने के कारण मरीज को बाहर से इंजेक्शन खरीदने के लिए बोला जाता है। सूत्रों के अनुसार, इंजेक्शन आपूर्ति करने वाली कंपनी की ओर से ही दिक्कत हो रही है, जिससे यह समस्या है। सायन अस्पताल के बाद

बांद्रा के भाभा अस्पताल का निरीक्षण करने आम आदमी पार्टी (आप) की टीम पहुंची। निरीक्षण में डॉक्टरों, स्टाफ की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की बात सामने आई। दवाओं की कमी भी मरीजों की दिक्कत बढ़ा रही है। आप के महाराष्ट्र संयोजक ब्रिगेडियर सुधीर सावंत ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. प्रदीप जाधव से इस मसले को तत्काल हल करने का आग्रह किया। आप की टीम के मुताबिक, अस्पताल में ४३६ बेड, २०० डॉक्टर और १९६ नर्स और २१ इंचार्ज हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के १० से १५ पद भरे जाने बाकी हैं, लेकिन मरीजों की संख्या देखते हुए यह नाकाफी हैं। अस्पताल में डॉक्टर और अन्य स्टाफ के ८१६ पद भरे जाने बाकी होने की भी जानकारी प्रशासन ने दी। आप के सदस्य अमोल जाधव ने कहा कि दवाओं की कमी के चलते मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

**दवाओं की कमी पर समिति गठित**

बीएमसी अस्पतालों में दवाओं की कमी पता करने के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई गई है। कुर्ला भाभा के अधीक्षक डॉ. कृष्णकुमार पिंपले की अध्यक्षता में बनी यह समिति १५ दिन में विस्तृत रिपोर्ट देगी।

# १०६४ रुपए में बिकी ७५० किलो प्याज! नाराज किसान ने पीएम को भेजे पैसे

**मुंबई :** देश में अनाज एवं फल सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं लेकिन अनाज, फल, सब्जियों को उगानेवाला किसान फिर भी बदहाल है। उन्हें उनकी मेहनत का समुचित लाभ नहीं मिल पाता है। कुछ ऐसा ही उदाहरण नासिक में देखने को मिला, जहां उचित दाम न मिलने के कारण एक किसान एक किलो प्याज डेढ़ रुपए से भी कम कीमत में बेचने को मजबूर हो गया। इससे आहत उक्त किसान ने ७५० किलो प्याज बेचने के बाद मिले १,०६४ रुपए प्रधानमंत्री को भेज कर उन्हें किसानों की दुर्दशा से अवगत कराने का प्रयास किया है। बता दें कि नासिक जिला स्थित निफाड तहसील निवासी संजय साठे उन कुछ चुनिंदा 'प्रगतिशील किसानों' में से एक हैं, जिन्हें केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा से २०१० में उनकी भारत यात्रा के दौरान संवाद के लिए चुना था। साठे ने रविवार को कहा, 'मैंने इस मौसम में ७५० किलोग्राम प्याज उपजाई लेकिन गत सप्ताह निफाड थोक बाजार में एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर की पेशकश की गई। मैंने १.४० रुपए प्रति किलोग्राम का सौदा तय किया और मुझे ७५० किलोग्राम के लिए १,०६४ रुपए मिले।' उन्होंने कहा, 'चार महीने के परिश्रम की मामूली कीमत प्राप्त होना दुखद है इसलिए मैंने १,०६४ रुपए पीएमओ के आपदा राहत कोष में दान कर दिए। मुझे वह राशि मनीऑर्डर से भेजने के लिए ५४ रुपए अलग से देने पड़े। मनीऑर्डर २९ नवंबर को भारतीय डाक के निफाड कार्यालय से भेजा गया, वह 'नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री-हिंदुस्थान' के नाम प्रेषित किया गया।

# पैरोल के लिए अब जांच एजेंसी की सिफारिश जरूरी

**मुंबई :** आईएएस दंपती की बेटी पल्लवी पुरकायस्थ की हत्या में शामिल जिस सज्जाद मुगल को पैरोल से फरारी केस में पिछले साल गिरफ्तार किया गया था, उसे नाशिक कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई है। मुगल को जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला में उसके गांव सलामाबाद में पकड़ने के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर संजय निकम ने कई महीने तक वहां डेरा डाला था। निकम ने मंगलवार को बताया कि नाशिक की कोर्ट ने उस पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पल्लवी पुरकायस्थ केस में मुंबई सेशन कोर्ट उसे आजीवन कारावास की सजा पहले ही सुना चुका है।

सज्जाद मुगल की पैरोल से फरारी के बाद सरकार ने कई सख्त फैसले लिए। अभी तक किसी वरिष्ठ आईएएस ऑफिसर के नेतृत्व में एक कमिटी सिफारिश करती थी कि किस कनविक्टेड आरोपी को पैरोल पर छोड़ा जाए या न जाए। बाद में जेल अधीक्षक इस सिफारिश पर अमल करता था। मुगल फरारी केस के बाद सरकार ने फैसला किया कि अब उस जांच एजेंसी से भी आरोपी के पैरोल को दिए जाने को लेकर उसकी राय मांगी जाएगी, जिस एजेंसी ने उसे गिरफ्तार किया था। यह भी फैसला किया गया कि मर्डर, रेप, टेरर जैसे केसों में दोषी आरोपी को असाधारण स्थितियों में ही पैरोल दी जाएगी।

सज्जाद मुगल जब पैरोल की मियाद खत्म होने के बाद वापस जेल नहीं लौटा, तो संबंधित आईएएस अधिकारी की जांच हुई थी और नाशिक के जेल अधीक्षक को सस्पेंड कर दिया गया था। सज्जाद मुगल की फरारी ने मुंबई पुलिस के होश उड़ा दिए थे। वर्तमान डीजीपी दत्तात्रय पडसलगीकर और तत्कालीन क्राइम ब्रांच चीफ संजय सक्सेना ने इंस्पेक्टर संजय निकम को सज्जाद मुगल को पकड़ने का जिम्मा सौंपा। जब निकम ने यह मुश्किल काम कर दिखाया, तब दोनों आईपीएस अधिकारियों ने उनकी कामयाबी बताने के लिए देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। यहीं नहीं, पडसलगीकर इस साल २८ जून को संजय निकम के घर उन्हें उनके जन्म दिन की शुभकामनाए देने पहुंच गए। पडसलगीकर तब मुंबई सीपी की पोस्ट पर थे। इससे पहले किसी भी सीपी ने अपने इंस्पेक्टर को इस तरह प्रोत्साहित नहीं किया था। पल्लवी पुरकायस्थ की साल २०१२ में वडाला में उनके घर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद उनका मंगेतर बुरी तरह डिप्रेशन में चला गया था। बाद में उसकी भी मौत हो गई थी। सज्जाद मुगल को मर्डर के महज १२ घंटे के अंदर इंस्पेक्टर महेश तावडे ने मुंबई सेंट्रल से गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ चार्जशीट दायर हुई, उस पर मुकदमा चला और फिर उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

# हिंदी में बोले राज ठाकरे: यूपी-बिहार के लोग अपने नेताओं से पूछें क्यों विकास में पिछड़ा है उनका राज्य

**मुंबई:** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने संभवत: पहली बार हिंदी में एक रैली को संबोधित करते हुए यूपी और बिहार के प्रवासियों से कहा कि उन्हें अपने नेताओं से पूछना चाहिए कि उनके राज्य विकास में क्यों पिछड़ गए? उन्होंने कहा कि लोग अपने नेताओं से सवाल करने की बजाय रोजगार की तलाश में मुंबई चले आते हैं. ठाकरे रविवार को मुंबई में उत्तर भारतीय मंच की ओर से आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने बताया कि वह हिंदी में इसलिए बोल रहे है, ताकि उनकी बात ज्यादा लोग तक पहुंचे. बता दें, ठाकरे इससे पहले हमेशा अपनी रैली को मराठी में संबोधित करते रहे हैं, बहुत ही कम देखने को मिला है कि वे मीडिया से दूसरी भाषा में बात कर रहे हों. ठाकरे ने कहा, 'यूपी जैसे राज्य ने देश को कई प्रधानमंत्री दिए हैं, जिनमें मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (जो वाराणसी से सांसद हैं) भी शामिल हैं. आप में से कोई उनसे नहीं पूछता कि आपके राज्य औद्योगीकरण में क्यों पिछड़े हुए हैं और वहां रोजगार के अवसर क्यों नही हैं.'

**हरपल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज**

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो **www.harpaltvnews.com** टाइप करके देखिये या **crimeinvestigationharpaltv.com** टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें : Email-harpaltimes.press@gmail.com

**कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की ट्रेनिंग दी जा रही है..**

संपर्क करें : ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल.कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४०००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/१. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४०००४३ से प्रकाशित किया। संपादक: वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374 .
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई,महाराष्ट्र होगा।)